Roll No.

B–2071

a2zSujects.com

B. A./B. A. (Classics) (Part I)
EXAMINATION, 2018

(Foundation Course)

Paper First

HINDI LANGUAGE

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 75*

[Minimum Pass Marks : 26

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अंक प्रश्नों के समक्ष अंकित हैं।

1. (अ) पल्लवन से आप क्या समझते हैं ? पल्लवन और व्याख्या के अन्तर को स्पष्ट कीजिए। 8

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का पल्लवन कीजिए :

(i) ज्ञान पंथ कृपान के धारा

(ii) असतो माँ सद्गमय

(iii) विषमता से विष का प्रसार।

सम में सगा जाये संसार॥

(ब) उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 5 विषयों में सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति आदेश बनाइये। 7

a2zSujects.com

अथवा

स्रोत के आधार पर शब्द कितने प्रकार के होते हैं ? प्रत्येक का उदाहरण सहित नाम लिखिए। a2zSujects.com

2. (अ) मुहावरे एवं लोकोक्ति की विशेषताएँ लिखिए तथा उनके उदाहरण दीजिए। 5

अथवा

निम्नांकित समश्रुत शब्दों के अर्थ लिखिए :

(i) अंश ..... अंस .....

(ii) किला ..... कीला .....

(iii) काफी ..... कॉफी .....

(iv) कुल ..... कूल .....

(v) निर्माण ..... निर्वाण .....

(ब) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए : 5

(i) नगर में रहने वाला।

(ii) बिना विचार किया हुआ विश्वास।

(iii) दूसरों पर उपकार करने वाला।

(iv) जिस पर मुकदमा चल रहा हो।

(v) जो बाद में जन्म लिया हो।

(स) निम्नांकित शब्दों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए : 5

(i) अचल के **तीन** अर्थ लिखिए।

(ii) ज्येष्ठ के **तीन** अर्थ लिखिए।

(iii) अन्तर्द्वन्द्व का विलोम लिखिए।

(iv) आकर्षण का विलोम लिखिए।

(v) वस्त्र के **तीन** पर्यायवाची शब्द लिखिए।

3. देवनागरी लिपि के स्वरूप एवं उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

a2zSujects.com

a2zSujects.com

अथवा

मानक, अमानक भाषा क्या है ? उदाहरण सहित लिखिए।

4. कम्प्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग एवं मानव जीवन पर उनके प्रभाव पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए। 15

अथवा

सूचना प्रौद्योगिकी क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

5. (अ) संक्षेपण क्या है ? उनकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 8

(ब) निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण उपयुक्त शीर्षक देकर प्रस्तुत कीजिए : 7

a2zSujects.com

आत्मा और अनुभूति के सम्बन्ध की अनेकरूपता का आभास हमें भारत की विभिन्न चिंताधाराओं से प्राप्त होता है। हम यहाँ किसी एक मत को स्वीकार करने या दूसरे मत का तिरस्कार करने की दृष्टि से इस दार्शनिक चर्चा में नहीं पड़े हैं। हमारा प्रयोजन केवल आत्मानुभूति शब्द और उसके अर्थ पर दृष्टिपात करना है, और हम देखते हैं कि इस शब्द को लेकर दार्शनिकों में मतैक्य नहीं है। मतैक्य तो हुए, आत्मा और अनुभूति के पारस्परिक सम्बन्ध को लेकर सभी सम्भव दृष्टियों के स्थापन की चेष्टाएँ की गई हैं। जिनमें साम्य या समन्वय ढूँढ़ने का प्रयास हम यहाँ नहीं कर सकेंगे। एक ओर निरपेक्ष और स्वाधीन आत्म तत्व के साथ त्रिकाल में भी अनुभूति का कोई सम्बन्ध न मानने वाले अद्वैत दार्शनिक हैं, दूसरी ओर अनुभूति के बिना आत्मा की सत्ता ही न स्वीकार करने वाले शक्ति तंत्र के संस्थापक आचार्य हैं और इन दोनों के मध्य आत्मा और अनुभूति का बहुरूपी सम्बन्ध स्थिर करने वाले सापेक्षवादी द्वैत चिन्तक हैं। हम इस अन्तहीन विचार-व्यूह में प्रवेश करने में अभिमन्यु की भाँति शंकित हैं, अतएव हम इससे विरत रहकर ही संतोष करेंगे।

a2zSujects.com